

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग

आ० सं०-22/नि०सि०(भाग०)-09-07/2017

१८

१८-०७-२०१७
पटना, दिनांक

आदेश

श्री संजीव कुमार (आई०डी०-जे ९८०७), तत० कनीय अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, शिवनारायणपुर के विरुद्ध बटेश्वर स्थान गंगा पम्प नहर परियोजना के उच्च स्तरीय मुख्य नहर के वि०दू० ५.३५ एवं वि०दू० १०.०२ पर रहे रिसाव को रोकने हेतु कोई कार्रवाई नहीं करने, हो रहे रिसाव के तथ्य को वरीय पदाधिकारियों को छिपा के रखने एवं उक्त के कारण हजारों हेक्टेयर जमीन में सिंचाई कार्य बाधित होने तथा सरकार को भारी आर्थिक क्षति पहुँचाने संबंधी आरोपों के लिए आरोप पत्र प्रपत्र 'क' गठित करते हुए स्पष्टीकरण पूछा गया। उक्त स्पष्टीकरण के प्रत्युत्तर के समीक्षोपरांत मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, भागलपुर से मंतव्य की मांग की गयी। मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर द्वारा उपलब्ध कराये गये अपने मंतव्य में आरोपित पदाधिकारी के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं पाया गया। फलतः सम्यक् समीक्षोपरांत पाया गया कि मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, भागलपुर के पत्रांक-०५ कैम दिनांक-२१.०९.२०१७ द्वारा दिये गये प्रतिवेदन में अंकित है कि ऐसा ज्ञात हुआ है कि पूर्व में भी इस स्थल में रिसाव हुआ था। आरोप पत्र प्रपत्र 'क' में अंकित है कि नहर के रिसाव को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी और तथ्यों को छिपाने के चलते नहर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे हजारों हेक्टेयर जमीन में सिंचाई कार्य बाधित होने के साथ-साथ सरकार को आर्थिक क्षति पहुँची एवं माननीय मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन के पूर्व ही नहर क्षतिग्रस्त होने से सरकार की छवि भी धूमिल हुई। इस तथ्य की समीक्षा का अभाव मुख्य अभियंता द्वारा गठित समिति के मंतव्य में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। फलतः मुख्य अभियंता द्वारा गठित समिति की मंतव्य से सहमत नहीं हुआ जा सकता है।

अतएव उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में मामले की विस्तृत जाँच हेतु श्री संजीव कुमार (आई०डी०-जे ९८०७), तत० कनीय अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, शिवनारायणपुर के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली २००५ के नियम-१७ के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरांत संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन में अप्रमाणित आरोपों के विरुद्ध असहमति के बिंदु का निर्धारण किया गया। उक्त असहमति के बिंदु के आधार पर आरोपित पदाधिकारी के विरुद्ध प्रमाणित आरोप के लिए लिखित अभ्यावेदन (द्वितीय कारण पृच्छा का प्रत्युत्तर) समर्पित करने का निदेश दिया गया। तदालोक में आरोपित पदाधिकारी श्री संजीव कुमार द्वारा उपलब्ध कराए गए लिखित अभ्यावेदन (द्वितीय कारण पृच्छा का प्रत्युत्तर) का समीक्षा निम्नवत् है :-

आरोप :- दिनांक-19.09.2017 को बटेश्वर स्थान गंगा पम्प नहर परियोजना उच्च स्तरीय मुख्य नहर के विन्दु 5.35 एवं विन्दु 10.02 पर हो रहे रिसाव को रोकने हेतु आपके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी एवं हो रहे रिसाव के तथ्य को वरीय पदाधिकारियों से छिपा कर रखा गया, जिसके चलते नहर क्षतिग्रस्त हो गया एवं माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक-20.09.2017 को उक्त परियोजना का उद्घाटन नहीं किया जा सका। बाँध के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण हजारों हेक्टेयर जमीन में सिंचाई कार्य बाधित हो गया एवं सरकार को भारी आर्थिक क्षति पहुँची एवं इससे सरकार की छवि भी धूमिल हुई। मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन जल संसाधन विभाग, भागलपुर के प्रतिवेदनासार उक्त स्थल पर पूर्व में भी रिसाव हुआ था, जिसकी सूचना आपके द्वारा वरीय पदाधिकारियों को नहीं दी गयी थी। ज्ञातव्य है कि दिनांक-20.09.2017 को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा उक्त परियोजना का उद्घाटन किया जाना था, इस तथ्य के संज्ञान में रहने के बावजूद आपके द्वारा उक्त बाँध का सतत पर्यवेक्षण नहीं किया गया, जिसके चलते रिसाव को रोकने के लिए भी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

संचालन पदाधिकारी का मतः :- आरोपित पदाधिकारी के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं होता है।

असहमति का बिन्दु :- संचालन पदाधिकारी के द्वारा अपने जाँच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि नहर बाँध टूटने के पूर्व प्रसारित उद्घाटन कार्यक्रम के कारण मुख्य अभियंता से लेकर सभी क्षेत्रीय अभियंता कहलगाँव में कैम्प किये हुए थे। जबकि कार्यपालक अभियंता द्वारा सूचित किया गया कि वे इस रिसाव की जानकारी मोबाईल नेटवर्क की समस्या के कारण उच्चाधिकारियों को नहीं दे पाये। जबतक वैकल्पिक कदम उठाते नहर तटबंध टूट गया। जब सभी क्षेत्रीय अभियंता कहलगाँव में कैम्प कर रहे थे तब मोबाईल पर सूचना दिये जाने का क्या औचित्य था ? इससे स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा उक्त बाँध का सतत पर्यवेक्षण नहीं किया तथा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरती गई, जिसके लिए आप दोषी परिलक्षित होते हैं।

आरोपी पदाधिकारी का द्वितीय कारण पृच्छा का प्रत्युत्तर :-

आरोपी पदाधिकारी द्वारा अपने द्वितीय कारण पृच्छा के प्रत्युत्तर में प्रतिवेदित किया गया है कि मेरा पदस्थापन गंगा पम्प नहर अवर प्रमंडल, पीरपैती में था। जिसका कार्यक्षेत्र उच्चस्तरीय मुख्य नहर के बिंदु 10.00 से 15.50 तक है। दिनांक-18-09-2017 को Test check हेतु नहर में जलश्राव किया गया। दिनांक 18.09.2017 को मेरे कार्य क्षेत्र में कहीं भी रिसाव नहीं था, इस संबंध में पूर्व में दिनांक 15.06.2022 को स्पष्टीकरण में दिया गया है। साथ ही उक्त तिथि को मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता द्वारा उच्चस्तरीय नहर के विन्दु 29.70 तक संयुक्त निरीक्षण किया गया। अगर नहर में रिसाव पाया जाता तो निश्चित रूप से वरीय पदाधिकारी के संज्ञान में आती। दिनांक 19.09.2017 को नहर में पुनः जलश्राव Full discharge में Mechanical C.E के द्वारा चलाये जाने लगे थे। मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर के आदेश सं-1355 दिनांक 18.09.2017 के द्वारा मुझे पेडेड्रल एवं पंप हाउस-1 के प्रवेश द्वारा समीप कारपेटिंग गमला का कार्य एवं रंग-रोगन का कार्य में लगा दिए थे। जिसका मैं अक्षरशः पालन करने लगा। दिनांक-19.09.2017 को संध्या 5:00 बजे ग्रामीण द्वारा मोबाईल पर सूचना दी गई कि वंशीपुर Minor के H/R के गेट से पानी का लिकेज हो रहा था। जिसकी सूचना मैंने मोबाईल से वरीय पदाधिकारी को देते हुए लिकेज बंद करने की कार्रवाई में लग गया एवं लिकेज को बंद करा दिया था।

फिर भी तो आरोप जो मेरे द्वारा उक्त बांध का सतत पर्यवेक्षण नहीं किया गया तथा अपने कर्तव्य के निर्वहन में लापरवाही बरती गई के आरोप से मुक्त करने की दृष्टि की जाय। जहाँ तक

कार्यपालक अभियंता के द्वारा सूचित किया गया कि वे इस रिसाव कि जानकारी मोबाईल नेटवर्क के समस्या के कारण उच्चापदाधिकारियों को नहीं दे पाए, इसमें मेरा कोई दोष नहीं है।

समीक्षा :- आरोपी पदाधिकारी द्वारा अपने द्वितीय कारण पृच्छा के प्रत्युत्तर में उक्त आरोप के संबंध में प्रतिवेदित किया गया है कि उनका पदस्थापन गंगा पम्प नहर अवर प्रमंडल, पीरपैती में था जिसका कार्यक्षेत्र उच्चस्तरीय मुख्य नहर के वि०दू० 10.00 से वि०दू० 15.60 एवं हरिश्चन्द्रपुर वितरणी के वि०दू० 0.00 से वि०दू० 69.10 तक है। स्पष्ट है कि दिनांक 19.09.2017 को उच्चस्तरीय मुख्य नहर के वि०दू० 10.02 पर हुए रिसाव आरोपी पदाधिकारी के कार्यक्षेत्र के अधीन था। जिसकी सुरक्षा का दायित्व आरोपी पदाधिकारी पर था। जिसके लिए, आरोपी पदाधिकारी जिम्मेवार प्रतीत होते हैं। विदित हो कि बटेश्वर स्थान गंगा पम्प नहर परियोजना के उच्चस्तरीय मुख्य नहर के वि०दू० 5.35 एवं वि०दू० 10.02 पर दिनांक 19.09.2017 को रिसाव हुआ था।

अतएव, उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में, आरोपी पदाधिकारी के विरुद्ध आरोप प्रमाणित परिलक्षित होता है।

निष्कर्ष :- आरोपी पदाधिकारी से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा का प्रत्युत्तर तथा उपर्युक्त समीक्षा के आलोक में श्री संजीव कुमार, कनीय अभियंता के विरुद्ध आरोप प्रमाणित होता है।

उपर्युक्त समीक्षा एवं निष्कर्ष के आलोक में प्रमाणित पाये गये आरोप के संदर्भ में श्री संजीव कुमार (आई०डी०-जे 9807), तत० कनीय अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, शिवनारायणपुर सम्प्रति कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, नवगछिया के विरुद्ध निम्नांकित दंड अधिरोपित करने का निर्णय सक्षम प्राधिकार द्वारा लिया गया है :-

- (i) "निन्दन (वर्ष 2017-18)"
- (ii) "असंचयात्मक प्रभाव से दो वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक"।

अतएव उपर्युक्त वर्णित स्थिति में श्री संजीव कुमार (आई०डी०-जे 9807), तत० कनीय अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, शिवनारायणपुर सम्प्रति कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, नवगछिया के विरुद्ध निम्नांकित दण्ड अधिरोपित करते हुए उन्हें संसूचित किया जाता है :-

- (i) "निन्दन (वर्ष 2017-18)"
- (ii) "असंचयात्मक प्रभाव से दो वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक"।

ह०/-
(बिनय कुमार सिन्हा)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक- / पटना, दिनांक-

प्रतिलिपि:- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय बिहार, पटना/अवर सचिव, वित्त (वै० दा० नि० को०) विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाई हेतु प्रेषित।

ह०/-
सरकार के उप सचिव

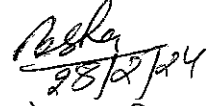
कृ०पृ०उ०

ज्ञापक-

373

/ पटना, दिनांक- 28-02-2024

प्रतिलिपि:-माननीय मंत्री के आप्त सचिव, जल संसाधन विभाग बिहार, पटना/अपर मुख्य सचिव के आप्त सचिव, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना/अभियंता प्रमुख (मुख्यालय)/शेष सभी अभियंता प्रमुख, जल संसाधन विभाग/मुख्य अभियंता, सिंचाई सूचना, जल संसाधन विभाग, भागलपुर/मुख्य अभियंता, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण, कटिहार/शेष सभी मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग/संयुक्त सचिव (प्रबंधन), जल संसाधन विभाग/सभी उप सचिव (प्रबंधन), जल संसाधन विभाग/सभी अवर सचिव (प्रबंधन), जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना/कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, नवगछिया/कार्यपालक अभियंता (आई0टी0) आई0टी0 सेक्टर, जल संसाधन विभाग, पटना/प्रशाखा पदाधिकारी-7, 8, 9, 12 एवं 22 जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना/ श्री संजीव कुमार (आई0डी0-जे 9807), तत्त0 कनीय अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, शिवनारायणपुर सम्प्रति कनीय अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, नवगछिया को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।



सरकार के उप सचिव